लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2846
10 मार्च, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

बने-बनाए कपड़ों/वस्त्रों/हथकरघा उत्पादों का निर्यात

2846. डॉ. एम.के. विष्णु प्रसाद:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान बने-बनाए कपड़ों /वस्त्रों/हथकरघा के कुल निर्यात का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या गत तीन वित्तीय वर्षो के दौरान उक्त वस्तुओं के निर्यात में कोई गिरावट आई है;

(ग) यदि हां, तो संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए)/यूरोपीय संघ (ईयू) के देशों को किए जाने वाले निर्यात में आई गिरावट का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए नए शुल्कों (टैरिफ) से इस प्रकार के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है; और

(ङ) यदि हां, तो तमिलनाडु सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र मंत्री
(श्री गिरिराज सिंह)

***

(क) से (ङ): पिछले पांच वर्षों के दौरान रेडीमेड गारमेंट्स/वस्त्रों/हथकरघा के कुल निर्यात का विवरण निम्नलिखित है:

मूल्य मिलियन अमरीकी डॉलर में

श्रेणी	**वित्तीय वर्ष: 2020-21**	**वित्तीय वर्ष: 2021-22**	**वित्तीय वर्ष: 2022-23**	**वित्तीय वर्ष: 2023-24**	**वित्तीय वर्ष: 2024-25**
रेडीमेड वस्त्र	12272	16015	16191	14532	15989
सूती वस्त्र	11128	17166	11085	12258	12299
मैन-मेड टेक्सटाइल्स	4180	6294	5412	5081	5295
कालीन	1491	1790	1366	1395	1541
जूट उत्पाद	397	537	462	353	400
रेशम उत्पाद	76	109	95	119	162
ऊनी और ऊनी वस्त्र	109	166	205	192	160

हथकरघा उत्पाद	223	269	183	140	142
कुल वस्त्र टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट्स	**29877**	**42347**	**34997**	**34072**	**35988**
हस्तशिल्प	1708	2088	1689	1802	1767
कुल वस्त्र, हस्तशिल्प सहित रेडीमेड गारमेंट्स	**31585**	**44435**	**36686**	**35874**	**37755**

स्रोत: डीजीसीआईएस, अनंतिम डेटा

कुल वस्त्र और रेडीमेड गारमेंट निर्यात पिछले 03 वित्तीय वर्ष की अवधि के दौरान 1.4% का सीएजीआर दर्ज करके वित्तीय वर्ष 2022–23 में 34,997 मिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024–25 में 35,988 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। भारत से यूएसए को हस्तशिल्प सहित टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट, का निर्यात वित्तीय वर्ष 2022–23 में 10,468 मिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024–25 में 10,938 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। इसी अवधि के दौरान ईयू-27 को निर्यात, वित्तीय वर्ष 2022–23 में 7,670 मिलियन अमरीकी डॉलर से वित्तीय वर्ष 2024–25 में 7,618 मिलियन अमरीकी डॉलर रिकॉर्ड दर्ज होने के साथ व्यापक तौर पर स्थिर रहा।

किसी भी बाजार में निर्यात मूल्य प्रतिस्पर्धा, श्रम लागत, उत्पादकता, गुणवत्ता मानक, कच्ची सामग्री की उपलब्धता, लॉजिस्टिक्स एफिशिएंसी, विनियामक आवश्यकताओँ का अनुपालन, और डेस्टिनेशन मार्केट में टैरिफ जैसी कई बातों पर निर्भर करता है। बाजार पहुँच स्थितियों, वैश्विक माँग, विनिमय दर में उतार-चढ़ाव, और व्यापार समझौते भी निर्यात निष्पादन पर प्रभाव डालते हैं। वैश्विक आर्थिक प्रतिकूलताओं के बावजूद, भारत के वस्त्र एवं अपैरल निर्यात ने उल्लेखनीय स्थिरता प्रदर्शित की है, यह स्थिरता निर्यात गंतव्यों के विविधीकरण, विनिर्माण क्षमताओं में सुधार तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न व्यापार सुगमता एवं निर्यात संवर्धन पहलों के परिणामस्वरूप संभव हुई है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के अप्रैल-जनवरी के दौरान तमिलनाडु से हस्तशिल्प सहित कुल वस्त्र और अपैरल निर्यात 6,605.4 मिलियन अमरीकी डॉलर था, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 6,659.5 मिलियन अमरीकी डॉलर था, जो इस क्षेत्र में संपूर्ण दृढ़ता का प्रदर्शन करता है।

भारत और अमेरिका ने दिनांक 2 फरवरी 2026 को एक व्यापार समझौता की घोषणा की थी। इसके लिए दिनांक 07 फरवरी 2026 को एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया था। दिनांक 07 फरवरी 2026 को, भारत के रूस से तेल के आयात का हवाला देते हुए भारत के कुछ निर्यात पर यूएस द्वारा लगाए गए 25% अतिरिक्त एड वैलोरम टैरिफ हटा दिए गए। यूएस सुप्रीम कोर्ट के दिनांक 20 फरवरी 2026 के निर्णय, जिसमें रेसिप्रोकल टैरिफ को अमान्य कर दिया गया था जिसके अनुसार, रेसिप्रोकल टैरिफ अब लागू नहीं हैं। यूएस सरकार ने सभी देशों पर 10% टैरिफ लगाने के लिए एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किए हैं। सरकार इसके बाद की सभी गतिविधियों का उनके प्रभावों हेतु अध्ययन कर रही है और यूएस सरकार के साथ संपर्क में बनी हुई है।

*****